सुगन्धित काला नमक धान की खेती की विधि :-

1. **भूमि :** इसके लिए चिकनी या मटियार भूमि उपयुक्त होती है।
2. **बीज की मात्रा :** 25 से 30 किग्रा0 प्रति हेक्टेयर (5 किग्रा प्रति बीघा) बीज की आवश्यकता पड़ती है।
3. **बीज शोधन :** 3 ग्राम बावीस्टीन पाउडर को 6 लीटर पानी में घोल कर 5 किग्रा0 बीज को 18 घण्टे के लिए भिगो देते हैं। दूसरे दिन बीज को घोल से निकालकर अंकुरित होने के लिए 24 घण्टे के लिए दबा देते हैं।
4. **नर्सरी की तैयारी :**
   - इसकी नर्सरी जून के अन्तिम सप्ताह से जुलाई के प्रथम सप्ताह के मध्य कर देना चाहिए।
   - एक हेक्टेयर काला नमक धान की रोपाई हेतु 1000 वर्गमीटर (1 मण्डी प्रति बीघा) नर्सरी खेत तैयार करते हैं।
   - एक बार नर्सरी खेत में पानी लगा कर खेत को ठंडा कर लेना चाहिए।

- अच्छी तरह जुताई कर तैयार खेत में 100 किग्रा0 सड़ी गोबर की खाद डालें साथ में 5 किग्रा0 यूरिया, 5 किग्रा0 फास्फोरस तथा 300 ग्राम मल्टी प्लस (सुक्ष्म पोषक तत्व) का प्रयोग करें। अगर सम्भव हो तो 2 किग्रा0 नीम खली का भी प्रयोग करना चाहिए।
- लेवा लगाने के कम से कम 3 घण्टे बाद शाम को नर्सरी खेत में अंकुरित बीज बोयें।
- नर्सरी खेत में बीज बोने के आठवें दिन आवश्यकतानुसार पानी लगा कर प्रति बीघा 3 किग्रा0 सरसों की खली तथा 500 ग्राम मल्टी प्लस (सुक्ष्म पोषक तत्व) का प्रयोग करें।
- 25 से 30 दिन बाद नर्सरी रोपाई हेतु तैयार हो जायेगी।

5. **खेत की तैयारी एवं रोपाई :**

खेत की तैयारी :

- मुख्य खेत की अच्छी तरह से जुताई करने के पश्चात 6 से 10 टन गोबर की सड़ी खाद या 60 किग्रा0 नाईट्रोजन, 30 किग्रा0 फास्फोरस, 30 पोटाश एवं 20 किग्रा0 जिंक सल्फेट प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए।
- मुख्य खेत में खाद / उर्वरक डालने के बाद ही लेव / पाटा चलायें ताकि खेत में खाद अच्छी तरह से मिल जाय।

रोपाई :

- पौध को नर्सरी से उखाड़ने के बाद छायादार एवं नम स्थान पर रखें।
- पौध को लाइन से लाइन एवं पौधे से पौधे की दूरी 20×15 सेमी. की दूरी पर रोपें।
- दो से तीन पौधे / पूजे एक साथ लगायें।

6. **खाद एवं उर्वरक :**

- 6 से 10 टन सड़ी गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर (2 टन प्रति बीघा) की दर से रोपाई के पूर्व खेत में डालकर अच्छी तरह जुताई कर लें।
- रोपाई के 15 दिन के बाद 80 से 100 किग्रा0 नीम की खली एवं 3 किग्रा0 मल्टी प्लस (सुक्ष्म पोषक तत्व) प्रति हेक्टेयर (18 से 20 किग्रा. नीम खली एवं एक किग्रा0 मल्टी प्लस प्रति बीघा) की दर से टाप ड्रेसिंग के रूप में डालें।
- सड़ी गोबर की खाद या कम्पोस्ट खाद उपलब्ध न होने की दशा में 60 किग्रा0 नाइट्रोजन, 30 किग्रा0 फास्फोरस, 30 पोटाश एवं 20 किग्रा0 जिंक सल्फेट प्रति हेक्टेयर (15 किग्रा नाइट्रोजन, 8 किग्रा0 फास्फोरस, 8 किग्रा0 पोटाश, 4 किग्रा0 जिंक सल्फेट प्रति बीघा) प्रयोग करें।
- रोपाई के चालीसवें दिन 2.5 किग्रा0 मल्टीप्लस (सुक्ष्म पोषक तत्व) का प्रयोग करें।

7. **सिंचाई :** काला नमक धान के खेत में शुरू से अन्त तक 2 से 3 सेमी0 पानी बनाये रखें।
8. **निराई :** मुख्य खेत में पौध रोपाई करने के 20 से 25 दिन के बाद खेत की निराई करें।
9. **रोग एवं कीट प्रबन्धन :** सामान्य रूप में काला नमक धान की खेती में रोग एवं कीट का प्रकोप कम होता है। फिर भी खैरा रोग लगने पर 500 ग्राम कापर आक्सीडाईक्लोराइड एवं 12 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लीन